भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
जनसंदेश टाइम्स
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 26.06.2019

आईआईटी में भी बनेंगे आर्किटेक्ट

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में नये सत्र 2019-20 में आर्किटेक्चर विभाग शुरू होगा जो संस्थान की एक महत्वपूर्ण शैक्षिक उपलब्धि है। इसके माध्यम से संस्थान अभियांत्रिक आर्किटेक्चर में निपुण मानव संसाधन सृजित करेगा जो राष्ट्र के निर्माण तथा मेक इन इंडिया के लिए राष्ट्रीय अभियानों में मील का पत्थर साबित होंगे। इसके लिए रुड़की सहित अन्य आईआईटी के शिक्षकों और प्रोफेशनल्स के साथ अनुबंध करने में जुटा है। आईआईटी बीएचयू जल्द ही इसके लिए परमानेंट शिक्षकों की भर्ती करेगा।

यह जानकारी आईआईटी निदेशक प्रो.पीके जैन ने दी। उन्होंने आगे बताया कि संस्थान में वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि किया है। विगत छह माह में संस्थान को 30 से अधिक अनुसंधान परियोजनायें स्वीकृत की गई है जिसमें यूपीडा, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत रक्षा अनुसंधान कोरीडोर परियोजना, आरकेवीवाई आरएएफटीएएआर योजना तथा स्टील अॅथारिटी ऑफ इंडिया की एआरसीआईएस प्रमुख है, इन परियोजनाओं हेतु स्वीकृत धनराशि करोड़ों में है।

बदलाव

लंबे समय की मांग रही आर्किटेक्चर

नये सत्र में 20 को दाखिला मिलेगा

रूड़की सहित अन्य आईआईटी एक्सपर्ट देंगे शिक्षा

छात्रों को प्रोफेशनल के बीच काम को मिलेगा अवसर

चार नए केंद्र बनाने की योजना

महामना मालवीय जी के विचारों को आगे बढ़ाते हुये संस्थान ने आगामी पांच वर्षों में संस्थान में चार नये केन्द्र जिनमें पहला सेंटेनरी इनोवेशन एंड रिसर्च पार्क (सीआईआरपी) दूसरा सेंटेनरी डिफेंस एंड प्रेसिज्म इंजीनियरिंग हब (सीडीपीईएच), तीसरा ग्लोबल आउटरिच एंड इंगेजमेंट (जीओई), चौथा मालवीय स्टूडेंट एक्टिवीटि एंड कंप्यूटिंग (एमएसएसीसी) भी बनाने का निर्णय हुआ है। इन केन्द्रों की स्थापना लागत लगभग 230 करोड़ होगी। जिसके लिए भारत सरकार के संबंधित मंत्रालय से अनुरोध किया जा रहा है। इन केन्द्रों की स्थापना के उपरांत संस्थान इनोवेटिव रिसर्च एवं कंप्यूटिंग के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो जायेगा। इन जानकारियों के साथ आईआईटी निदेशक के कार्यालय हुयी औपचारिक वार्ता में निदेशक प्रो.प्रमोद कुमार जैन ने मीडिया को विगत में छह माह में अर्जित की गई संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारी दे रहे थे। संस्थान ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त पहचान दर्ज करायी है तथा विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों के लिए 13 राष्ट्रीय संस्थाओं एवं 5 अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ एमओयू हस्ताक्षर किये गये है।

आईआईटी में आधारभूत सुविधाओं का हुआ विकास

वाराणसी। आईआईटी छात्रों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुये आधारभूत सुविधाओं में भी उल्लेखनीय सुधार किया है। इतना ही नही हाल ही में संस्थान ने एक छात्रा हास्टल का निमार्ण पूर्ण है। जो फिलहाल सीपीडब्ल्यू से टेकओवर लेना है। इस वर्ष प्रवेश लेने वाली छात्राओं को इस नये छात्रावास में कक्ष उपलब्ध कराया जायेगा । इसके अतिरिक्त छात्रों के लिए वाई-फाई, स्ट्रीट लाइट, खेल के मैदान, पेयजल हेतु आरओ आदि की सुविधाओं में भी वृद्धि की गई है।

स्पार्क परियोजनाओं पर काम कर रहे शिक्षक

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू की तीन स्पार्क परियोजनाएं भी स्वीकृत हुई हैं, जो आचार्य राजीव प्रकाश, आचार्य प्रदीप श्रीवास्तव एवं आचार्य आरएस सिंह की ओर से निर्देशित की जा रही है, ये राष्ट्रीय महत्व की परियोजनायें है और इनके माध्यम से भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान तंत्र से जुड़कर छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर संचालित अनुसंधान कार्यक्रमों तथा इनकी दशा और दिशा से अवगत करा पा रही है। इसी प्रकार संस्थान में तीन इम्प्रिंट परियोजनायें भी स्वीकृत हुई हैं जो डा. बिंद कुमार, डा. जाहर सरकार एवं आचार्य राजीव प्रकाश के निर्देशन में संचालित की जा रही हैं।